॥ श्रीः ॥

रामस्वयंवर।

अर्थात्

श्रीमद्रामायण।

जिसमें

सिद्ध श्रीमहाराजाधिराज श्रीमहाराजाबहादुर श्रीकृष्णचन्द्र कृपापात्राधिकारी श्री १०८ रघुराजसिंहदेवजू (जी, सी एस, आई) ने वाल्मीकी और श्रीगोस्वामी तुलसीदासकृत रामायणके अनुसार श्रीरामचन्द्रजीका बालचरित्र और विवाहोत्सव सविस्तर तथा सप्तकांडोंकी कथा विविध भाषाछन्दोंमें निर्माण किया।

और

श्रीमन्महाराजाधिराज श्रीवेङ्कटरमणसिंहदेवजू बहादुर जी. सी. एस्. आई. जीकी आज्ञानुसार

गङ्गाविष्णु श्रीकृष्णदास,

अध्यक्ष "लक्ष्मीवेङ्कटेश्वर" छापेखानेमें

मैनेजर पं० शिवदुलारे वाजपेयीने मालिकके लिये छापकर प्रकाशित किया।

संवत् १९८०, शके १८४५.

कल्याण-मुंबई.